[This question paper contains 4 printed pages.]

8121 *Your Roll No. .....*

M.Ed. **A**

Paper – 1.1

PHILOSOPHICAL PERSPECTIVE ON EDUCATION

Time : 2 hours *Maximum Marks : 35*

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note :– Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :– इस प्रश्नपत्र का उत्तर अंग्रेज़ी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Please answer question no. **1** *and* **two** *other questions.*

प्रश्न **1** *और शेष कोई* **दो** *प्रश्न कीजिए।*

1. According to R.S. Peters "the main characteristic of the 'revolution in philosophy' has been an increasing awareness of what philosophy is." What are the main features of 'revolution in philosophy' ? What impact did this awareness of what is distinctive to philosophical inquiries have on the discourse in philosophy of

P.T.O.

Education ? What did this new approach reveal when these philosophers turned their attention to the prevalent discourse ? (4+4+5)

OR

Of what use is philosophy of education ? What is the point Peters makes when he constructs a dialogue to answer the above questions ? How and why is philosophy of education to be taught to pupil teachers ? (4+4+5)

OR

"The particular concern of some educationists for the aims and values involved in the enterprise has not infrequently led them to a belief that educational theory is in the last analysis philosophical in character."

What is Paul Hirst's critique of this position ? What is his formulation on the structure of knowledge ? How does this structure help in theorising about education. (4+4+5)

आर. एस. पीटर्स के अनुसार दर्शन क्या है, इसके प्रति बढ़ती हुई अभिज्ञता ही दर्शन में क्रांति का मुख्य अभिलक्षण रहा है। 'दर्शन में क्रांति' की मुख्य विशिष्टताएँ क्या हैं ? दार्शनिक गवेषणाओं की विशिष्टता की इस अभिज्ञता का शिक्षा दर्शन के विमर्श पर क्या प्रभाव पड़ा है ? इन दार्शनिकों द्वारा प्रचलित विमर्श पर ध्यान देने पर यह नया उपागम क्या उद्घाटित करता है ?

अथवा

शिक्षा दर्शन का क्या उपयोग है ? उपर्युक्त प्रश्न का उत्तर देने के लिए संवाद का निर्माण करते समय पीटर्स क्या संकेत करता है ? छात्राध्यापकों को शिक्षा दर्शन कैसे और क्यों सिखाया जाना चाहिए ?

अथवा

"उद्यम में समाहित लक्ष्यों और मूल्यों के प्रति कुछ शिक्षाविदों के विशेष सरोकार ने उन्हें प्राय: इस धारणा के प्रति अग्रसरित किया है कि शिक्षा-सिद्धांत अपने अंतिम विश्लेषण में अपने स्वरूप में दर्शनशास्त्रीय हैं।"

इस दृष्टिकोण की पॉल हर्स्ट की मीमांसा क्या है ? ज्ञान की संरचना के संबंध में उसका निरूपण क्या है ? यह संरचना शिक्षा के सिद्धांतीकरण में किस प्रकार सहायक है ?

2. According to John Dewey philosophy can be described "in terms of the problem with which it deals..... and these problems originate in the conflicts and difficulties of social life." What then, according to him is education ? How does his assumptions of continuity reflect in his theory of 'knowing' ? (5+6)

जॉन ड्यूवी के अनुसार दर्शन का वर्णन "उस समस्या के संदर्भ में किया जा सकता है जिससे वह दो-चार होता है और ये समस्याएँ सामाजिक जीवन के संघर्षों और कठिनाइयों से उद्भूत होती हैं।" फिर, उसके अनुसार शिक्षा क्या है ? सातत्य की उसकी अभिधारणा उसके 'जानने' के सिद्धांत में केसे प्रतिबिंबित होती है ?

3. In the wake of World War II, several leading educational philosophers like George Kneller took up existentialism as a possible source for Educational

reform. What are the major formulations that are offered by such thinkers on Education ? How does this movement enrich the understanding of the individual ? (5+6)

द्वितीय विश्व युद्ध के परिणामस्वरूप जॉर्ज नेलर जैसे अनेक प्रमुख शिक्षा दार्शनिकों ने शैक्षिक सुधार के संभावित स्रोत के रूप में अस्तित्ववाद को लिया। शिक्षा के संबंध में ऐसे चिंतकों के द्वारा प्रस्तावित मुख्य निरूपण क्या हैं ? इस आंदोलन ने व्यक्ति के बोध का संवर्धन किस प्रकार किया ?

4. What are the strengths and weaknesses of the positivist method when used to study problems in education ? How does the phenomenological subjective approach till the balance to the other side ? (5+6)

शिक्षा की समस्याओं के अध्ययन के लिए प्रयुक्त किस जाने की स्थिति में प्रत्यक्षवादी विधि की शक्तियाँ और सीमाएँ क्या हैं ? सांवृतिक विषयिनिष्ठ उपागम किस प्रकार संतुलन को दूसरी ओर झुका देता है ?

5. How is education understood in relation to the person in the following :

(a) Mahatma Gandhi (b) Gurudev Tagore

(c) Advaita Vedānta (d) J. Krishnamurti (5+6)

शिक्षा को निम्नलिखित व्यक्ति के संबंध में कैसे समझा जा सकता है ?

(क) महात्मा गांधी (ख) गुरूदेव टैगोर

(ग) अद्वैत वेदांत (घ) जे. कृष्णमूर्ति